

FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत..... जिला कलेक्टर मुकाम..... दो.क
..... सरकार बनाम..... प्रजात
किस्म मुकद्दमा..... गो वरां इतिहास नं..... 90 सन्..... 2024

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
28 $\frac{12}{4}$	अभिभाषक प्रार्थी उपस्थित है। प्रकरण समाप्त अदालत है। दर्ज रजिस्टर हो। थानाधिकारी पुलिस थाना डिग्गी जिला टोंक से केस डायरी तलब कर पत्रावली दिनांक 10.01.2022 को पेश हो। जिला कलेक्टर	
10 $\frac{1}{2022}$	अभिभाषक प्रार्थी उप-1 थानाधिकारी पुलिस थाना डिग्गी से केस डायरी प्राप्त हो चुकी है। वाले बहस पत्रावली दि. 2-2-2022 को पेश हो। P.O. को अन्य सफाई से बख्त है।	
2 $\frac{2}{2022}$	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी रंगच व अभिभावक उप-1 प्रार्थी द्वारा सपल-पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि F.I.R नं. 233/2021 पुलिस थाना डिग्गी से 'गोवंश अधिकाधिक' में जल्द एक R.J-52 G.A. 1716 का से रजिस्टर्ड आनर है। यह बहस पूर्व से कभी गोवंश अधिनियम 1995 से जल्द नहीं हुआ है। अतः जल्द एक R.J. 52 G.A. 1716 को प्रार्थी की सुपुर्गी से दिया जाने प्रार्थी सुपुर्गीनामा व जमानतमाया पेश करने हेतु तय है। हमने प्रार्थी व अभिभावक से बख्त से सुना	



तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर
अदालत
हुकम की तारीख
में जारी हुए

एवं केस दायरी हलक परावली पर आयें
परतवेजों का अवलोकन किया। यदि प्राची
वाहन के स्वायत्त के मरक-अ के मूल
परतवेजों के साल बीस लाख की जमानत
व सुपुर्दगी नामा पेश कर देता है तो इन्हें
वाहन प्राची की सुपुर्दगी में दे दिया जावे।
इसके प्राची अलग श्रेण्य द्वारा न्यायालय
की मरतुब के अनुसार बीस लाख की जमानत
उ.ए. के माउफत जमानत नामा व सुपुर्दगी नामा
पेश कर दिया है। अतः आन्तरिकी डिजा
को वाहन इस श्रेण्य परपी इन्हें नं. RJ 52
G.A. 1716 के मोटन आदेश (रिलीज आर्डर)
जारी किये जावे। परावली केसल अनुसार
होकर वाहन लकील जाएल दखिल करार
है।

जिला कलेक्टर
दोक